A-0229

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

MASL–603

M.A. SANSKRIT (MASL)

(सिद्धान्त कौमुदी कारक एवं समास भाग-01)

3rd Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. 'प्रातिपदिकार्थलिङ्परिणामवचनमात्रे प्रथमा' सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

2. 'साधकतमं करणम्' सूत्र की वृत्ति उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

3. 'दुह्याच्पच्दण्ड्रुधिप्रच्छिचिब्रुशासुजिमथ्मुषाम्'। कारिका की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** रूपों की सिद्धि सूत्रनिर्देशपूर्वक कीजिए–

   (क) भवसि

   (ख) भजति

   (ग) यजेते

   (घ) एधामहे

अथवा

''ल्यब्लोपो कर्मण्यधिकरणे च'' वार्तिक की व्याख्या कीजिए।

5. लट्, लृट्, लोट्, लङ् विधिलिङ्लकारों में श्रु, अथवा एध् में से किसी एक धातु के रूप में लिखिए।

अथवा

निम्नलिखित को सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्ध कीजिए–

(क) हरिः सेव्यते।

(ख) शत्रुनगमयत् स्वर्गम्।

(ग) प्रायेण याज्ञिकः।

(घ) प्रासादात् प्रेक्षते।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ''स्वतन्त्र कर्ता'' सूत्र की व्याख्या कीजिए।
2. सूत्र निर्देशपूर्वक 'गच्छामि' अथवा 'नयति' में से किसी **एक** रूप को सिद्ध कीजिए।
3. 'गम्यमानऽपि क्रिया कारकविभक्तीनां निमित्तम्' इस वार्तिक की व्याख्या कीजिए।
4. णीञ् अथवा पच् धातु के लट् एवं लृट् लकार में रूप लिखिए।
5. 'क्रोशं कुटिला नदी' को सूत्र निर्देश पूर्वक सिद्ध कीजिए।
6. ''अपवर्गे तृतीया'' सूत्र की व्याख्या कीजिए।
7. सम्प्रदान संज्ञा किस सूत्र से होती है उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
8. अधिकरण संज्ञा बताते हुए उदाहरण पूर्वक आधार के भेदों का विवेचना कीजिए।

****